main items of India's exports to Israel during the last two years were gems & jewellery, cotton manmade yarn, fawrisc, madoups, cashew, spices, handicrafts, engineering goods, organic/inorganic chemicals, etc. The value of India's exports to Israel during 1992-93 and 1993-94 amounted to US $ 90 million and US $ 130 million respectively

(b) The main items of India's imports from Israel during the last two years were fertilizers, pearls, precious & semi precious stones, organic/inorganic chemicals and other crude minerals, machinery, petroleum products, etc. The value of India's imports from Israel during 1992-93 and 1993-94 amounted to US $ 140 million and US $ 300 million respectively.

(c) Yes, Sir.

(d) The measures taken by Government to promote our exports to Israel include participation in fairs in Israel and encouraging Israeli businessmen to participate in fairs in India in order to project India's export capabilities, facilitating direct contacts between the businessmne of the two countries, sponsoring of trade delegations, finalisation of Trade Agreement, etc.

प्रति व्यापार नीति

1820. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश के कुल निर्यात में वस्तु विनिमय व्यापार के अंश को बढ़ाने के लिए नई प्रति व्यापार नीति तैयार की है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि विश्व में प्रति व्यापार में वृद्धि हो रही है और भारत इस क्षेत्र में प्रमुख भागीदार नहीं बन पा रहा है ;

(घ) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ङ) सरकार की वर्तमान प्रति व्यापार नीति क्या है ;

(च) गत तीन वर्षों के दौरान प्रति व्यापार के अंतर्गत किए गए प्रमुख सौदों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ; और

(छ) वर्ष 1992–93 और 1993–94 के दौरान राज्य व्यापार निगम, खनिज तथा धातु व्यापार निगम और परियोजना और उपस्कर निगम द्वारा प्रति व्यापार के अंतर्गत किए गए निर्यात का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) से (घ) कुल विश्व व्यापार से संबंधित प्रति-व्यापार की मात्रा के बारे में सही-सही आंकड़ों की कमी है। फिर भी, आमतौर पर यह विश्वास किया जाता है कि इसमें वृद्धि हो रही है। भारत के कुल निर्यात में प्रति-व्यापार निर्यात का अंश वर्ष 1992–93 में लगभग 1.5 था।

वाणिज्य मंत्रालय में प्रति-व्यापार (सी टी) नीति की समीक्षा का प्रयास किया है। इस नई नीति का उद्देश्य होगा कि प्रति-व्यापार प्रणाली के जरिए भारतीय निर्यात को बढ़ाया जाए।

(ङ) मौजूदा नीति में प्रति-व्यापार की तीन विस्तृत श्रेणियों की व्यवस्था की गयी है :–

(1) सरकार द्वारा अथवा सरकारी क्षेत्र द्वारा की गई प्रमुख खरीद के बदले प्रति-व्यापार।

(2) एस्क्रो लेखे के जरिए प्रति-व्यापार।

(3) साक्ष्य लेखा तंत्र के जरिए प्रति-व्यापार

फिलहाल प्रमुख खरीद के बदले प्रति-व्यापार के प्रावधान सरकारी विभागों अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किए जाने वाले प्रमुख आयातों की कुछ

श्रेणियों पर लागू हैं। ऐसे मामलों में, सकारात्मक मद-सूची से निर्यात किया जाना अपेक्षित है तथा प्रतिरिक्तता मानदण्डों को पूरा करने के अधीन भी है। एस्कों लेने के जरिए अब किसी भी देश के साथ प्रति-व्यापार करना सकारात्मक सूची अथवा अतिरिक्तता की बंदिश के बिना सभव है। इस प्रणाली से ऐसे देशों के साथ व्यापार करना सुविधाजनक हो जायेगा जिनके पास दुर्लभ मुद्रा का अभाव रहता है। साक्ष्य लेखा तंत्र के जरिये प्रति-व्यापार मुख्य रूप से मलेशिया के साथ चल रहा है भारत से अधिकांश निर्यात परियोजना के रूप में करता है।

(च) और (छ) सूचना एकत्र की जा रही है और इसे सभा पटल पर रख दिया जायेगा।

Irregularities in import of sugar by STC and MMTC

1821. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the STC and MMTC are trying to switch half a million tonnes of high quality sugar for which they have already signed contracts into lower grades;

(b) whether suppliers are being coaxed to revive their contracts in an attempt to substitute finer quality with lower grades;

(c) wheher STC and MMTC were forking out $ 20 per tonnes more by importing higher quality of sugar than is required for the country's Public Distribution System;

(d) if so, whether Government would lose over Rs. 50 crore because the two corporations have imported sugar with the specification lower than 100 ICUMSA; and

(e) what action Government propose to take against STC and MMTC on the sugar deal?

THE MINITSER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) to (d) No, Sir.

(e) Does not arise.

Problem faced by All India Rice Exporters Association

1822. SHRI SURESH PACHAURI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Starred Question 598 given in the Rajya Sabha on 9th May, 1994 and state:

(a) whether the All India Rice Exporters' Association has presented a memorandum to Government; and

(b) if so, the details thereof and what action Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b) The All India Rice Exporters' Association has sought clarification from the Government on the European Union's offer on rice in the Uruguay Pound. The Government has sought clarification from the European Union on the interpretation of the offer.

Import of glazed newsprint from Canada

1823. SHRI O. P. KOHLI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is fact that the State Trading Corporation (STC) had entered into a contract with a Canadian firm for the import of glazed newsprint;

(b) if so, the details thereof;

(c) the reasons for abandoning the goods supplied by the Canadian company;

(d) whether any inquiry was conducted into the matter;

(e) if so, the details thereof; and

(f) the action taken in the matter?